

कक्षा-8

विषय-हिन्दी

पाठ-5 भला कैसे चलूँ मैं( अभ्यास)

मुख से

इन प्रश्नों के उत्तर बताइए।

क. कवि को कैसे आधार की आवश्यकता नहीं है?

उत्तर--कवि को ऐसे आधार की आवश्यकता नहीं है जो लोगों के निर्देशों पर आधारित हो।

ख. कवि किस मार्ग से जाना चाहते हैं?

उत्तर-- कभी काँटों भरे मार्ग पर यानि मुश्किलों से भरे रास्ते पर जाना चाहते हैं।

ग. कवि को दीपक की तरह जलना क्यों स्वीकार नहीं है?

उत्तर--कवि को दीपक की तरह जलना स्वीकार नहीं है क्योंकि दीपक अंधकार से हार कर हृदय की आग को अंदर ही रख कर चुपचाप जलता रहता है।

घ. संसार कवि को कैसी राह दिखाना चाहता है?

ड. उत्तर-संसार कवि को मंदिर और मठ की राह दिखाना चाहते हैं।

कलम से

### इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क) कवि मार्ग में स्वयं क्यों विघ्न उत्पन्न करते हैं?

उत्तर- कवि मार्ग में स्वयं विघ्न उत्पन्न करते हैं क्योंकि जीवन पथ पर चलने का उनका दृष्टिकोण दूसरे लोगों से एकदम अलग है वे विघ्नों को पार करके ही आगे बढ़ना चाहते हैं जिससे वे संघर्ष को समझ सकें।

ख) कवि को फूल पर चलना क्यों स्वीकार नहीं है?

उत्तर-कवि को फूल पर चलना स्वीकार नहीं है क्योंकि फूल जैसे रास्ते पर चलना बहुत आसान है और जिस पर चलना सब लोग पसंद करते हैं लेकिन कवि का जीवन के प्रति अलग दृष्टिकोण है उन्हें लगता है कि फूलों के बजाए काँटों पर चलकर ही उन्हें वास्तविक सफलता मिल सकती है।

मुश्किलों भरा रास्ता ही उन्हें मंजिल तक पहुंचा सकता है।

ग) कवि की दृष्टि में जगत को दीपक का कैसा जीवन सुहाता है ?

उत्तर-दीपक अपनी बाती के साथ हृदय की आग को रोककर चुपचाप जलता रहता है वह अंधकार से हारा हुआ होता है और जब वह धीरे धीरे जलता है तो ऐसा लगता है मानो अपनी निर्बलता का शोक मना रहा हो और कवि की दृष्टि में जगत को दीपक का ऐसा ही जीवन अच्छा लगता है

घ) कवि में कैसी ज्वाला है? उससे वे क्या करते हैं?

उत्तर-प्रलय में जैसे सब कुछ नष्ट कर देने की ताकत होती है कवि में भी वैसे ही सब कुछ बदलने की ज्वाला है और उससे वे विश्व में भय जगाते हैं।

ड) कवि भावना पूर्वक किसे,क्या अर्पित करना चाहते हैं, पर क्यों अर्पित नहीं कर पाते ?

उत्तर-कवि भावना पूर्वक मंदिर में प्रतिमाओं पर यह सोच कर अपनी भावनाओं की भेंट चढ़ाना चाहते हैं कि इन पत्थरों में भी कभी प्राण जागेंगे लेकिन वे ऐसा इसलिए नहीं कर पाते क्योंकि वे इस सत्य को स्वीकारते हैं कि मानव में ही भगवान है और यदि मानव चाहे तो वह कुछ भी कर सकता है।

**2. काव्यांश को ध्यान से पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-**

क) बाती में किसकी आग केंद्रित है?

उत्तर-बाती में हृदय की आग केंद्रित है।

ख) दीपक किस के सामने हार मानता है?

उत्तर- दीपक अंधकार के सामने हार मानता है ।

ग) हार स्वीकार कर दीपक क्या करता है?

उत्तर- हार स्वीकार कर दीपक दुख मनाता रहता है।

घ) संसार ने दीपक के कैसे रूप से समझौता किया हुआ है?

उत्तर- संसार में दीपक के सीमित और निर्बल रूप से समझौता किया हुआ है।

ङ) कवि का रूप संसार में भय क्यों उत्पन्न करता है?

उत्तर-कवि का रूप संसार में भय उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें सब कुछ बदलने की ताकत है।

**बात भाषा की**

**विलोम शब्द लिखिए:-**

क)स्वीकार \*अस्वीकार

ख) प्रलय\* सृजन

ग) शूल \* फूल

घ)विश्वास \*अविश्वास

ङ)प्यार\*नफरत

च)सत्य\*असत्य

छ) सीमित \*असीमित ज) बढ़ाना\*घटाना-

**3 नीचे दिए गए उपसर्गों से बने दो- दो शब्द लिखिए:-**

क) नि: ---नि:शुल्क, नि:संदेह

ख)प्र. --प्रयत्न, प्रकोप

ग)अ.---अमर,अनाथ

**कविता- “कैसे भला चलूँ मैं” का प्रतिपाद्य(भावार्थ)**

“भला कैसे चलूँ मैं”कविता के कवि हरि शंकर परसाई इस कविता के द्वारा यह बताना चाहते हैं कि जीवन के प्रति उनका एक अलग दृष्टिकोण है। वे बाधाओं को पार करके आगे बढ़ना चाहते हैं। वे किसी के बताए गए रास्ते का अनुसरण करना नहीं चाहते हैं। वे दीपक की तरह सहजता से जलना नहीं चाहते बल्कि एक ज्वाला की तरह धधकना चाहते हैं। वे भक्तों की तरह मंदिर में देवताओं के सामने अपनी भावनाओं को प्रकट नहीं करना चाहते और ना ही उनसे किसी प्रकार की उम्मीद करते हैं बल्कि वे इस सत्य को स्वीकारते हैं कि मानव में ही भगवान है और यदि मानव चाहे तो वह कुछ भी कर सकता है।

## पाठ-1 “हक दो”कविता का प्रतिपाद्य(भावार्थ)

हक दो कविता के द्वारा कवि केदारनाथ सिंह यह कहना चाहते हैं कि सबको अपनी जिंदगी जीने का अधिकार है इसलिए किसी के जीवन में बाधा बनना अनुचित है। प्रकृति के विभिन्न अंगों जैसे फूल, गंध, बादल, डगर, लहर और मिट्टी का उदाहरण देते हुए कवि कह रहे हैं कि उन्हें भी पूरा अधिकार दिया जाना चाहिए, मानव उनसे अनुचित छेड़छाड़ ना करें जिससे उनका स्वाभाविक विकास और आवागमन हो और संपूर्ण प्रकृति मानव के कल्याण के लिए पताका के समान लहराती रहे।

(पाठ 1 “हक दो” और पाठ 5 “भला कैसे चलूँ मैं”दोनों कविताओं का भावार्थ भी अपनी कॉपी में लिखें और याद भी करें)